

МИНИСТЕРСТВО НАУКИ И ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

Федеральное государственное бюджетное образовательное учреждение высшего образования  
«Национальный исследовательский университет «МЭИ»  
Институт тепловой и атомной энергетики

Утверждаю

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

План одобрен Ученым советом ФГБОУ ВО "НИУ "МЭИ"  
Протокол №

13.03.01

Направление подготовки: 13.03.01 Теплоэнергетика и теплотехника

Наименование образовательной программы: Автоматизация технологических процессов в теплоэнергетике

Кафедра: кафедра Автоматизированных систем управления тепловыми процессами

Квалификация: Бакалавр

Форма обучения: Очная  
Срок получения образования: 4г 0м

|   |                                          |
|---|------------------------------------------|
| + | Типы задач профессиональной деятельности |
| + | производственно-технологический          |

Год начала подготовки (по учебному плану) 2023

Образовательный стандарт (СУОС 3++) №17-9/23 от 27.10.2023

Согласовано

Первый проректор

|                                                                                     |                                                                            |
|-------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------|
|  | Подписано электронной подписью ФГБОУ ВО «НИУ «МЭИ»                         |
|                                                                                     | Сведения о владельце ЦЭП МЭИ                                               |
|                                                                                     | Владелец Замолодчиков В.Н.<br>Идентификатор R3c700dda-ZamolodchikVN-ded34e |

/Замолодчиков Владимир Николаевич/

Начальник управления

|                                                                                       |                                                                  |
|---------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------|
|  | Подписано электронной подписью ФГБОУ ВО «НИУ «МЭИ»               |
|                                                                                       | Сведения о владельце ЦЭП МЭИ                                     |
|                                                                                       | Владелец Поляк Р.И.<br>Идентификатор Rbc0e923e-PoliakRI-10208dd2 |

/Поляк Роман Игоревич/

Начальник отдела

|                                                                                       |                                                                      |
|---------------------------------------------------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------|
|  | Подписано электронной подписью ФГБОУ ВО «НИУ «МЭИ»                   |
|                                                                                       | Сведения о владельце ЦЭП МЭИ                                         |
|                                                                                       | Владелец Шацких Ю.В.<br>Идентификатор R6ca75b8e-ShatskikhYV-f045f12f |

/Шацких Юлия Владимировна/

Директор института

|                                                                                       |                                                                 |
|---------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|
|  | Подписано электронной подписью ФГБОУ ВО «НИУ «МЭИ»              |
|                                                                                       | Сведения о владельце ЦЭП МЭИ                                    |
|                                                                                       | Владелец Дедов А.В.<br>Идентификатор R72c90f41-DedovAV-d71cc7f4 |

/Дедов Алексей Викторович/

Заведующий кафедрой

|                                                                                       |                                                                 |
|---------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|
|  | Подписано электронной подписью ФГБОУ ВО «НИУ «МЭИ»              |
|                                                                                       | Сведения о владельце ЦЭП МЭИ                                    |
|                                                                                       | Владелец Мезин С.В.<br>Идентификатор R420ae592-MezinSV-dc40cfee |

/Мезин Сергей Витальевич/

Руководитель программы

|                                                                                       |                                                                 |
|---------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|
|  | Подписано электронной подписью ФГБОУ ВО «НИУ «МЭИ»              |
|                                                                                       | Сведения о владельце ЦЭП МЭИ                                    |
|                                                                                       | Владелец Мезин С.В.<br>Идентификатор R420ae592-MezinSV-dc40cfee |

/Мезин Сергей Витальевич/

Сотрудник ОМО УКО

|                                                                                       |                                                                   |
|---------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------|
|  | Подписано электронной подписью ФГБОУ ВО «НИУ «МЭИ»                |
|                                                                                       | Сведения о владельце ЦЭП МЭИ                                      |
|                                                                                       | Владелец Губина Н.А.<br>Идентификатор R324007cd-GubinaNA-c823f965 |

/Губина Надежда Андреевна/

| Адрес | Наименование объекта | Категория | Вид собственности | Виды помещений |  |  | ЭП | ЭТ | ЭТО | Эксплуатационные |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 9 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 10 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 11 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 12 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 13 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 14 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 15 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 16 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 17 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 18 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 19 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 20 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 21 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 22 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 23 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 24 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 25 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 26 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 27 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 28 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 29 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 30 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 31 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 32 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 33 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 34 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 35 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 36 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 37 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 38 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 39 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 40 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 41 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 42 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 43 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 44 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 45 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 46 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 47 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 48 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 49 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 50 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 51 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 52 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 53 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 54 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 55 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 56 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 57 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 58 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 59 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 60 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 61 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 62 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 63 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 64 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 65 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 66 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 67 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 68 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 69 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 70 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 71 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 72 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 73 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 74 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 75 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 76 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 77 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 78 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 79 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 80 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 81 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 82 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 83 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 84 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 85 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 86 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 87 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 88 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 89 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 90 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 91 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 92 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 93 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 94 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 95 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 96 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 97 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 98 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 99 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 100 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 101 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 102 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 103 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 104 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 105 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 106 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 107 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 108 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 109 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 110 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 111 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 112 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 113 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 114 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 115 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 116 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 117 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 118 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 119 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 120 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 121 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 122 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 123 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 124 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 125 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 126 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 127 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 128 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 129 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 130 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 131 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 132 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 133 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 134 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 135 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 136 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 137 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 138 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 139 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 140 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 141 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 142 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 143 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 144 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 145 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 146 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 147 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 148 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 149 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 150 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 151 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 152 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 153 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 154 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 155 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 156 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 157 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 158 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 159 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 160 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 161 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 162 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 163 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 164 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 165 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 166 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 167 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 168 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 169 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 170 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 171 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 172 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 173 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 174 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 175 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 176 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 177 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 178 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 179 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 180 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 181 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 182 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 183 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 184 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 185 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 186 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 187 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 188 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 189 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 190 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 191 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 192 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 193 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 194 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 195 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 196 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 197 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 198 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 199 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 200 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 201 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 202 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 203 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 204 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 205 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 206 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 207 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 208 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 209 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 210 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 211 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 212 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 213 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 214 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 215 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 216 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 217 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 218 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 219 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 220 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 221 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 222 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 223 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 224 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 225 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 226 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 227 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 228 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 229 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 230 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 231 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 232 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 233 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 234 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 235 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 236 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 237 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 238 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 239 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 240 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 241 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 242 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 243 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 244 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 245 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 246 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 247 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 248 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 249 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 250 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 251 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 252 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 253 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 254 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 255 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 256 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 257 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 258 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 259 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 260 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 261 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 262 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 263 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 264 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 265 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 266 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 267 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 268 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 269 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 270 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 271 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 272 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 273 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 274 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 275 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 276 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 277 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 278 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 279 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 280 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 281 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 282 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 283 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 284 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 285 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 286 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 287 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 288 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 289 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 290 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 291 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 292 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 293 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 294 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 295 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 296 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 297 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 298 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 299 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 300 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 301 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 302 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 303 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 304 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 305 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 306 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 307 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 308 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 309 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 310 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 311 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 312 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 313 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 314 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 315 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 316 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 317 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 318 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 319 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 320 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 321 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 322 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 323 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 324 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 325 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 326 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 327 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 328 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 329 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 330 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 331 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 332 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 333 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 334 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 335 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 336 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 337 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 338 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 339 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 340 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 341 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 342 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 343 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 344 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 345 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 346 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 347 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 348 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 349 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 350 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 351 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 352 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 353 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 354 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 355 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 356 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 357 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 358 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 359 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 360 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 361 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 362 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 363 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 364 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 365 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 366 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 367 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 368 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 369 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 370 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 371 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 372 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 373 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 374 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 375 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 376 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 377 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 378 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 379 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 380 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 381 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 382 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 383 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 384 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 385 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 386 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 387 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 388 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 389 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 390 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 391 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 392 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 393 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 394 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 395 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 396 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 397 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 398 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 399 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 400 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 401 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 402 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 403 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 404 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 405 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 406 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 407 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 408 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 409 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 410 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 411 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 412 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 413 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 414 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 415 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 416 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 417 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 418 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 419 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 420 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 421 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 422 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 423 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 424 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 425 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 426 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 427 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 428 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 429 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 430 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 431 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 432 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 433 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 434 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 435 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 436 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 437 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 438 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 439 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 440 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 441 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 442 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 443 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 444 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 445 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 446 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 447 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 448 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 449 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 450 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 451 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 452 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 453 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 454 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 455 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 456 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 457 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 458 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 459 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 460 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 461 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 462 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 463 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 464 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 465 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 466 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 467 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 468 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 469 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 470 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 471 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 472 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 473 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 474 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 475 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 476 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 477 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 478 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 479 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 480 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 481 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 482 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 483 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 484 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 485 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 486 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 487 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 488 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 489 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 490 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 491 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 492 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 493 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 494 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 495 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 496 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 497 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 498 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 499 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 500 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 501 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 502 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 503 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 504 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 505 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 506 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 507 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 508 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 509 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 510 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 511 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 512 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 513 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 514 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 515 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 516 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 517 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 518 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 519 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 520 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 521 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 522 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 523 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 524 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 525 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 526 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 527 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 528 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 529 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 530 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 531 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 532 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 533 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 534 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 535 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 536 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 537 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 538 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 539 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 540 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 541 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 542 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 543 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 544 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 545 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 546 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 547 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 548 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 549 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 550 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 551 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 552 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 553 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 554 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 555 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 556 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 557 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 558 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 559 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 560 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 561 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 562 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 563 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 564 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 565 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 566 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 567 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 568 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 569 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 570 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 571 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 572 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 573 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 574 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 575 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 576 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 577 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 578 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 579 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 580 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 581 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 582 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 583 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 584 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 585 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 586 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 587 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 588 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 589 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 590 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 591 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 592 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 593 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 594 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 595 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 596 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 597 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 598 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 599 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 600 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 601 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 602 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 603 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 604 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 605 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 606 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 607 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 608 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 609 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 610 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 611 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 612 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 613 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 614 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 615 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 616 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 617 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 618 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 619 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 620 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 621 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 622 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 623 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 624 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 625 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 626 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 627 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 628 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 629 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 630 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 631 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 632 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 633 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 634 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 635 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 636 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 637 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 638 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 639 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 640 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 641 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 642 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 643 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 644 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 645 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 646 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 647 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 648 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 649 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 650 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 651 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 652 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 653 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 654 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 655 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 656 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 657 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 658 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 659 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 660 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 661 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 662 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 663 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 664 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 665 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 666 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 667 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 668 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 669 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 670 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 671 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 672 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 673 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 674 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 675 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 676 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 677 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 678 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 679 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 680 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 681 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 682 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 683 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 684 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 685 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 686 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 687 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 688 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 689 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 690 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 691 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 692 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 693 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 694 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 695 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 696 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 697 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 698 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 699 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 700 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 701 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 702 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 703 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 704 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 705 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 706 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 707 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 708 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 709 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 710 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 711 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 712 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 713 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 714 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 715 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 716 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 717 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 718 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 719 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 720 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 721 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 722 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 723 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 724 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 725 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 726 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 727 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 728 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 729 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 730 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 731 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 732 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 733 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 734 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 735 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 736 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 737 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 738 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 739 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 740 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 741 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 742 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 743 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 744 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 745 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 746 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 747 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 748 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 749 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 750 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 751 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 752 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 753 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 754 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 755 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 756 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 757 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 758 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 759 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 760 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 761 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 762 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 763 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 764 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 765 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 766 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 767 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 768 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 769 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 770 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 771 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 772 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 773 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Тех. 774 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|-------|----------------------|-----------|-------------------|----------------|--|--|----|----|-----|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|-------|----------------------|-----------|-------------------|----------------|--|--|----|----|-----|------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|